स्थापना वर्ष : 1948 पंजीकरण संख्या 69/1949-50

उत्तराखण्ड महापरिषद

(उत्तराखण्ड की प्राचीन एवं शीर्ष सामाजिक, सांस्कृतिक संस्था)

केन्द्रीय कार्यालय : उत्तराखण्ड महापरिषद भवन, कुमाँचल नगर, लखनऊ – 226016

ई-मेल : uttarakhandmahaparishad@gmail.com, वेबसाइट : www.umplko.com

संस्थापक – भारत रत्न स्व. पं. गोविन्द बल्लभ पंत, पूर्व मा. गृह मंत्री, भारत एवं प्रथम मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र.

संरक्षक – मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड (पदेन) एवं डा. रीता बहुगुणा जोशी, मा. संसद सदस्य

अध्यक्ष
हरीश चन्द्र पंत
8081679614

महासचिव
भरत सिंह बिष्ट
9453354557

दिनांक : 05 जून, 2021

संशोधित प्रेस–विज्ञप्ति

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं महान पर्यावरणविद् स्व0 सुन्दरलाल बहुगुणा की स्मृति में जूम वेबिनार

दिनांक 05 जून, 2021 लखनऊ

डा0 अनिल प्रकाश जोशी ने कहा स्व0 सुन्दर लाल बहुगुणा जी बहुत ही सरल व्यक्ति थे। उन्होने कहा कि हम लोग हर साल पांच जून को पर्यावरण दिवस मनाते है। इस 30–25 सालो में हम लोगो ने क्या हासिल किया। क्या हम नदी, वन को बचा पाये हैं। इसके लिए सरकार को दोष नहीं दिया जा सकता। हर साल नई बीमारी कोरोना कोविड आदि आ रही हैं सब मनुष्य द्वारा ही पैदा हो रही है। हर माह नये नये नाम से तुफान आ रहे हैं। ये सब पर्यावरण के संतुलन के नष्ट होने के कारण हो रहा है।

उन्होंने कहा श्रम विहीन भोजन विष के समान है कभी भी पर्यावरण को चुनावी मुद्दा नहीं बनाया गया है। दोषी हर व्यक्ति है सरकार नहीं। स्व0 बहुगुणा जी जिनके व्यक्तिगत के बारे में कहा वो सरल थे, लेकिन दिखते कठिन थे, सरल बनने वाले काफी कठिनता से सरल बनते है। लगभग 50 वर्षों से पर्यावरण दिवस मनाते आ रहे है केवल celebration है, या मनाने भिंकुछ है, आंकलन होना चाहिए। पिछले 05 जून से इस 05 जून के बीच क्या किया, अगले 05 जून तक क्या करेंगे पर्यावरण पर। कोविड भी कुल मिलाकर मानव द्वारा प्राकृति से छेड़छाड़ की ही देन है। मिट्टी पानी जंगल देवतुल्य देवतुल्य है। अनिल जी को कई अवार्ड मीले है। इनके द्वारा सुझाव गया जी0पी0डी0 और जी0ई0पी0 सकल पर्यावरण उत्पाद पर उत्तराखण्ड पर कोई नियत पर रूलिंग आई हैं।

सकल पर्यावरण उत्पाद की अवधारणा को क्रियान्वित किया गया है, जिसे उत्तराखण्ड सरकार विश्व का फल राज्य बन गया। ये डा0 अनिल प्रकाश जोशी जी का संघर्ष था जिसे सरकार द्वारा लागू किया गया उल्लेखनीय है की जिस प्रकार सकल घरेलू उत्पाद जी0डी0पी0 किस भी देश की आर्थिक प्रगति का मापक है उसी प्रकार सकल पर्यावरण उत्पाद जी0ई0पी0 देश के पर्यावरण की प्रगति का मापक है।

सेवामें,

सम्मानित सम्पादक महोदय
लखनऊ प्रिंट मीडिया।

भरत सिंह बिष्ट
महासचिव
उत्तराखण्डमहापरिषद
मो0नं0–9453354557,9918060777